Commonwealth

1. SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what are the names of the member countries of the Commonwealth and since when they are its members;

(b) which nations have ceased to be members of the Commonwealth and since when; and

(c) to which Agencies and Associations of the Commonwealth Government make financial contributions and to which it does not contribute?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a)

Member countries of the Commonwealth	Member since
1. Antigua & Barbuda	1981
2. Australia	1931
3. Bahamas	1973
4. Bangladesh	1972
5. Barbados	1966
6. Belize	1981
7. Botswana	1966
8. Britain	1931
9. Brunei Darussalam	1984
10. Canada	1931
11. Cyprus	1961
12. Dominica	1978
13. Fiji	1970
14. The Gambia	1965
15. Ghana	1957
16. Grenada	1974
17. Guyana	1966
18. India	1947
19. Jamaica	1962
20. Kenya	1963
21. Kiribati	1979
22. Lesotho	1966
23. Malawi	1964
24. Malaysia	1957
25. Maldives	1982
26. Malta	1964
27. Mauritius	1968
28. Nauru	1968
29. New Zealand	1931
30. Nigeria	1960
31. Papua New Guinea	1975
32. St. Christopher Nevis	1983
33. St. Lucia	1979
34. St. Vincent & the Grenadines	1979
35. Seychelles	1976
36. Sierra Leona	1961
37. Singapore	1965
38. Solomon Islands	1978
39. Sri Lanka	1948
40. Swaziland	1968
41. Tanzania	1961
42. Tonga	1970
43. Trinidad and Tobago	1962
44. Tuvalu	1978
45. Uganda	1962
46. Vanuatu	1980
47. Western Samoa	1970
48. Zambia	1964
49. Zimbabwe	1980

(b) Ireland, South Africa and Pakistan have ceased to be members of the Commonwealth since 1949, 1961 and 1972 respectively.

(c) Government of India makes financial contribution to the following bodies under the Commonwealth:

(1) Commonwealth Air Transport Council; (2) Commonwealth Secretariat; (3) Commonwealth Broadcasting Association; (4) Commonwealth Foundation; (5) Commonwealth Agricultural Bureaux International; (6) Commonwealth Youth Programme; (7) Commonwealth

Science Council; (8) Commonwealth Fund for Technical Cooperation; (9) Commonwealth War Graves Commission; (10) Commonwealth Advisory Aeronautical Research Council; (11) Commonwealth Forestry Institute, Oxford, and (12) Special Commonwealth African Assistance Programme (SCAAP).

We are not aware of financial contributions to any other Commonwealth agencies or programmes.

गुजरात में राष्ट्रीय कपड़ा निगम का कार्यकरण

2. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कपड़ा निगम (गुजरात) की कार्यक्षमता को सुधारने के लिये क्या प्रशासनिक कदम उठाये गये हैं ;

(ख) राष्ट्रीय कपड़ा निगम (गुजरात) के वर्तमान अध्यक्ष को कब नियुक्त किया गया था तथा भूतपूर्व अध्यक्ष को हटाये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) वर्तमान अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय कपड़ा निगम के कार्यकरण को सुधारने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं तथा उनके क्या परिणाम निकले हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) एन टी सी (गुजरात) द्वारा अर्थक्षमता में सुधार लाने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में से कुछ निम्नोक्त हैं :–

(1) हानियों को कम करने के लिए लागत में बचत करने तथा लागत कम करने पर बल दिया गया है ।

(2) श्रम के सुव्यवस्थीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाना ।

(3) लाभप्रद केन्द्रों के बतौर मिलों को अभिज्ञात किया गया है और कार्यनिष्पादन तथा लक्ष्य-प्राप्ति के लिए महाप्रबंधकों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ।

(4) अलाभकारी और अनुत्पादक क्रियाकलापों को समाप्त करना ।

(ख) एन टी सी (गुजरात) के मौजूदा अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को 18–11–85 को नियुक्त किया गया था । एन टी सी (गुजरात) के भूतपूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को उनके कार्यकाल के पूरा होने के बाद कार्यमुक्त कर दिया गया था ।

(ग) एन टी सी (गुजरात) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने सूचित किया है कि उसके सहायक निगम ने महाप्रबंधकों को पहले से ही शक्तियां प्रत्यायोजित की हैं तथा एन टी सी (गुजरात) के अधीन मिलों के कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिये अनेक कदम भी उठाये हैं । तथापि, पावर की उपलब्धता में गिरावट आने, मन्द बाजार परिस्थितियों और एक मिल में आग लग जाने के कारण इन कदमों से वांछित परिणाम नहीं निकले हैं । एन टी सी (गुजरात) के अधीन मिलों ने आगामी महीनों में ब्लेंडिड फेब्रिक्स के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि करने का निर्णय लिया है जिसके फलस्वरूप प्रति मीटर औसत बिक्री वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि होने की आशा है जिससे सहायक निगम की हानियों को कम करने में मदद मिलेगी ।

राष्ट्रीय कपड़ा निगम, गुजरात में मान्यता प्राप्त यूनियनें

3. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कपड़ा निगम, गुजरात में मजदूर, टेक्नीशियन और आफिसर यूनियनों में से कौन-कौन सी यूनियनें मान्यता प्राप्त हैं तथा यूनियनों के सदस्यों की संख्या तथा मजदूरों, टेक्नीशियनों और अधिकारियों की कुल संख्या कितनी-कितनी है; और

(ख) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम, गुजरात के बोर्ड में टेक्नीशियनों को प्रतिनिधित्व दिये जाने के लिये कोई कार्यवाही किये जाने की संभावना है और यदि हां, तो कब तक ?